

डॉ.आर.शशिधरन

प्रभारी कुलपति, कोच्चिन विश्वविद्यालय



इस बार हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी (हिन्दी की लकी कविता) के अनुसार मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने का अवसर मिला। कुलपति (यहाँ के) के बन आने के कारण उद्घाटन का दायित्व मुझे दिया गया। ६ अक्टूबर को इसी विभाग-इसी विश्वविद्यालय का पत्र आ रहा है। इसलिस्ट यहाँ का आना हर बुरा मेरे लिए एक तरह से "होम कर्मिंग" है। यहाँ के हमारे गुरुजनों की कृपा से हम इस पद तक आ गये हैं। उनके स्नेहित व्यक्तित्व और सुझाव हमारे लिए पाथवे हैं। व्युत्पत्ति के व्यवहार और वर्तमान अवस्थाओं के सहयोग ने मुझे बहुत आरुह्य मिला है। इन का सहमति बना रहे। इस विभाग का उत्तरोत्तर विकास हो जाए, यही मेरी कामना है।

आर.शशिधरन

12.3.2019

डॉ. आर. शशिधरन
प्रभारी कुलपति
कोच्चिन विश्वविद्यालय
कोच्चि - 682 022
rsd@vsnl.ac.in

सृधा बालकृष्णन

केरल केन्द्रीय विश्वविद्यालय कासरगोड



अंग्रेजी का आर्थिक होना यह एक महान
उपलब्धि है इसके लिए अंग्रेजी का
विषय जीवित होना चाहिए। विषय के पूर्ण
और परिपक्व होने पर कई नये मुद्दे उभरें
और वह आयेगा। विषय पर हम आधुनिक
के लिए नियत रूपों के लिए कि करन
व्यक्ति विपरीत होत है। युवा विपरीत
अंग्रेजी का सम्मान है

सृधा बालकृष्णन
केरल केन्द्रीय विश्वविद्यालय
कासरगोड

8.2.2010